सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक:

उद्घाटन समारोह: 01 से 07 जुलाई 2020 तक महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए महाविद्यालय के जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न किया गया। यह बैठक प्रत्येक दिन दो सत्रों में संचालित की गई।

वार्षिक योजना बैठक के प्रथम दिन उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

पहले दिन प्रथम सत्र (10.30 बजे 11.30) में कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन प्राचार्य प्रदीप कुमार राव द्वारा किया गया। प्राचार्य जी ने प्रस्ताविकी तथा सम्पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की।

द्वितीय सत्र में अध्ययन-अध्यापन हेतु तकनीकी कौशल विकसित करने हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गये। इस विषय पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, श्री सुबोध कुमार मिश्र तथा श्री अभिषेक वर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। तदनन्तर परिचर्चा के साथ सत्र सम्पन्न हुआ।

बैठक के दूसरे दिन अपना विचार व्यक्त करते श्री विनय कुमार सिंह

दूसरा दिन - 02 जुलाई को शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में शैक्षिक पंचांग दायित्व सह कार्य विभाजन, प्रवेश, परीक्षा, परिसर अनुशासन विषय पर तथा द्वितीय सत्र में पुस्तकालय, स्वच्छता, प्रयोगशाला विषय पर चर्चा की गई जिसमें डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ. आर.एन. सिंह, श्री रमाकान्त दूबे तथा श्री विनय कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपनी बात रखी। शिक्षकों के सुझाव के साथ सत्र सम्पन्न हुआ।

बैठक के तीसरे दिन अपना विचार व्यक्त करते डॉ. अविनाश प्रताप सिंह

तीसरा दिन - 03 जुलाई को बैठक के तीसरे दिन प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, पठन पाठन, नैक तथा द्वितीय सत्र में वेबसाइट विषय पर डॉ. सौरभ कुमार सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव,

डॉ. कृष्ण कुमार तथा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किया।

बैठक के चौथे दिन पावरपॉइन्ट के माध्यम से प्रशिक्षित होते शिक्षक

चौथा दिन - 04 जुलाई को कार्यशाला एवं बैठक के चौथे दिन प्रथम सत्र में उन्नत भारत अभियान, गोद लिए गाँव, गोद लिए गये विद्यार्थी तथा द्वितीय सत्र में पाठ्यक्रम योजना, प्रार्थना सभा तथा क्रीड़ा विषय पर चर्चा की गई। इस सत्र में श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. अजय निषाद तथा डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किये।

पाँचवा दिन - 05 जुलाई को बैठक के पाँचवे दिन प्रथम सत्र में विभागीय कार्ययोजना, छात्र-संघ एवं द्वितीय सत्र में ध्येय पथ ई-पत्रिका, नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई विषय पर सुश्री श्वेता चौबे, डॉ. रामसहाय, सुश्री सुनिधि गुप्ता सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार एवं सुझाव रखे।

बैठक के पाँचवे दिन अपना विचार व्यक्त करते श्रीमती कविता मंध्यान

बैठक के छठवें दिन अपना विचार व्यक्त करते डॉ. आर.एन. सिंह

छठवाँ दिन - 06 जुलाई को बैठक के छठवें दिन प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर-रेंजर्स, प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम, बागवानी तथा द्वितीय सत्र में शोध-पत्रिका प्रकाशन, छात्र समिति, ई.पी.एफ. विषय पर श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. कृष्ण कुमार, श्री नवनीत कुमार सिंह तथा श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने विचार रखे।

सप्त दिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का समारोप कार्यक्रम

07 जुलाई 2020 को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के सातवें दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण आयोजनों जैसे- महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, युवा महोत्सव, भारत-भारती पखवारा, समावर्तन संस्कार इत्यादि को बदली हुई

योजना बैठक के समापन अवसर पर उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

परिस्थिति में कैसे कराया जाय, इस विषय पर विचार विमर्श किया गया, इस विषय पर सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र में समारोप कार्यक्रम के अवसर पर सात दिनों तक चलें शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में सम्पूर्ण विषयों की कार्य योजना से सम्बन्धित लिए गये निर्णयों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। सात दिनों के गहन विचार-विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2020-2021 के लिए महाविद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग को निर्मित किया गया।